Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

# ॥ कजरी तीज पूजा सामग्री ॥

## ॥ जय कजरी माता ॥

# Full Disclaimer

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

# ॥ कजरी तीज की आवश्यक सामग्री ॥

कजरी तीज को कई क्षेत्रों में कजली तीज, बड़ी तीज या सातुड़ी तीज कहते हैं। पूजा की सामग्री स्थानीय परंपरा के अनुसार बदलती है। पहले घर के बड़ों से नीमड़ी माता, सत्तू और चंद्र अर्घ्य की अपनी रीति जान लें।

## पूजा-स्थल और आराध्य

साफ चौकी, स्वच्छ वस्त्र, आसन और पूजा की थाली रखें। अपनी परंपरा के अनुसार कजरी या नीमड़ी माता का प्रतीक, सजाई हुई नीम की डाल अथवा नीम का चित्र रखें। शिव-पार्वती की प्रतिमा या चित्र से पूजा करने की रीति हो तो उन्हें भी रखें।

## सामान्य अर्पण सामग्री

स्वच्छ जल, रोली या कुमकुम, अक्षत, फूल, मौली, धूप, दीपक, बाती, घी या तेल, फल और मिठाई तैयार रखें। मेहंदी, चुनरी, चूड़ियाँ और अन्य श्रृंगार वस्तुएँ जहाँ प्रचलित हों, वहाँ अपनी सामर्थ्य के अनुसार रखें।

## चंद्र अर्घ्य की सामग्री

चाँद निकलने पर अर्घ्य की रीति के लिए साफ जल भरा लोटा या करवा और अलग पीने का पानी रखें। कुछ घरों में अर्घ्य के जल में फूल या अक्षत रखे जाते हैं। सुरक्षित खुला स्थान चुनें; चंद्र दर्शन का समय अपने स्थान और तारीख के अनुसार देखें।

# ॥ सत्तू, भोग और वैकल्पिक वस्तुएँ ॥

## सत्तू का भोग

सातुड़ी तीज की कई परंपराओं में चने का सत्तू मुख्य भोग है। उपलब्ध हो तो स्वच्छ सत्तू के साथ अपनी रीति के अनुसार घी और शक्कर या गुड़ से प्रसाद बनाएँ। कुछ परिवार गेहूँ या चने के सत्तू की अलग तैयारी करते हैं; मात्रा और आकार का कोई एक नियम सबके लिए समान नहीं है।

## नीमड़ी पूजा की व्यवस्था

जहाँ नीम की डाल की पूजा होती है, वहाँ उसे स्वच्छ पात्र में स्थिर रखें। फूल, मौली और दीपक की व्यवस्था करें। जीवित पेड़ को अनावश्यक क्षति न पहुँचाएँ। नीम की डाल न मिले तो अपनी पारिवारिक रीति के जानकार से उपयुक्त विकल्प पूछें।

## पारण और प्रसाद

पूजन के बाद बाँटने के लिए सत्तू या अन्य भोग रखें। चंद्रमा को अर्घ्य देकर जल तथा प्रसाद से व्रत खोलने की परंपरा कई घरों में है। लंबे उपवास के बाद सहज भोजन और पर्याप्त पानी की व्यवस्था भी पहले कर लें।

यह सामान्य सामग्री-सूची है। सत्तू की विशेष मात्रा, सवा जैसी माप, विशेष श्रृंगार-सामग्री या मिट्टी का पात्र हर परिवार में अनिवार्य नहीं होता। श्रद्धा और सुरक्षित तैयारी को प्राथमिकता दें।

## ॥ कजरी तीज की शुभकामनाएँ ॥